चुनाव विशेषांक 2022-23

प्रवाह

हिंदी प्रेस क्लब

सत्र-1, अंक-2

हिन्दी प्रेस क्लब

संपादकीय

नमस्कार! आशा है कि आप सब ठीक होंगे और एक अंतराल के बाद कॉलेज वापस आकर उत्साहित महसूस कर रहे होंगे। आजकल कहाँ पर सरकार कब गिर जाए इसका तो शायद ही कोई अनुमान लगा सकता है। देश में तो हम कोरोना काल के समय से ही देख रहे थे किन्तु बिट्स के छात्र संघ में भी "ऑपरेशन लोटस" हो जाना एक विचित्र दृश्य था। इस बार इसके पीछे चाणक्य की भूमिका निभा रहा था था बिट्स पिलानी का चुनाव आयोग। अब इससे किसका फायदा हुआ और किसका नुक्सान ये तो विचार योग्य बात है परन्तु शायद हम ये सीख ले सकते है कि निर्वाचन के बाद यदि आप छात्रहित के लिए आवाज़ नहीं उठाएंगे तो परिणाम आपके लिए हर्षमय नहीं होगा।

इस बात से हटकर अब बात करते है इन प्रतिनिधियों को चुनने की प्रक्रिया के बारे में। चुनाव शब्द आता है संस्कृत के शब्दकोष से जिसका सरल सा अर्थ है सीमित उम्मीदवारों में से एक प्रतिनिधि चुनना। वैसे तो यह एक छोटा सा शब्द है परन्तु इसके मायने बहुत बड़े है। जब चुनाव आस पास हो तब रातों-रात पुराने शत्रु मित्र बन जाते है और वर्षों से चली आ रही राजनीतिक विचारधारा को बदल दिया जाता है। चुनावी मौसम अपने साथ लाता है तेज़ हवाओं की एक आंधी जिसके साथ आतें है वादे, दावे, आरोप, प्रत्यारोप, उत्साह अवं निराशा। इस समय जनता का प्रयास होता है की इस चुनावी बरसात की चंद बूंदों का आनंद वो अगले चुनाव अभियान से पहले ले सके। मेरा इरादा किसी व्यक्ति विशेष पर टिप्पणी करना नहीं है परन्तु हमें यह समझना होगा कि क्या आज के समय में चुनाव अपना उद्देश्य पूर्ण कर भी पा रहे है या नहीं। हर कोई राजनैतिक मापदंडों को नहीं समझ सकता और यह एक स्वाभाविक सी बात है इसलिए जिन्हें इसकी समझ है उन्हें अपने विवेक का उपयोग करके अपने दायित्व की पूर्ती करनी चाहिए।

बिट्स में इस समय छात्र संघ के विभिन्न पदों के लिए चुनाव होने वाले है। पिछली बार से भिन्न इस बार GBM के सदस्यों के पास चुनाव में हर पद के लिए एक से ज़्यादा विकल्प है तथा इस बार के चुनाव ऑफ़लाइन मोड में आयोजित होने जा रहे है। 2020 के नेताओं की उम्मीदें उफान पे है और अभी वो हर एक छात्र से संपर्क साधने के प्रयासों में लगे हुए है। ऑफलाइन चुनाव में आयोग का किरदार और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। इसकी एक झलक हम सभी ने हाल ही में कुछ उम्मीदवारों के खिलाफ हुई कार्यवाई में देखी है। कोरोना के दौर से निकले दोनों बैच 2020 और 2021 के बीच कई जगहों पर सीधा सामना भी देखा जा सकता है। चुनावों से पहले बिट्स के संविधान में भी कई परिवर्तन किये गए है जो आवश्यक थे।

सभी उम्मीदवारों ने अपने घोषणापत्र को वादों से सजाने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। अब इनमे से कितने वादे पूरे होंगे और कितने आने वाले चुनावों में भी मुद्दा होंगे वो तो समय ही बताएगा। एक बात विचारयोग्य है कि एक उम्मीदवार ऐसा भी है जो बिना किसी प्रचार-प्रसार के भी बाकी उम्मीदवारों की चिंता का कारण बना हुआ है। इनको हम NOTA नाम से जानते है। हर उम्मीदवार इस समय अपनी जीत का दावा प्रस्तुत कर रहा है परन्तु उनको अंदर ही अंदर हारने का डर अवश्य सता रहा होगा। उसके ऊपर से यदि हार NOTA से हो जाए तो फिर कैसे बीतेंगे कॉलेज जीवन के बचे हुए दिन। यह देखने योग्य होगा कि जीतने के बाद प्रत्याशी किसे अपनी जीत का श्रेय देंगे तथा हारने वाले किसके सर पर हार का ठीकरा फोड़ेंगे।

कई छात्र इस बार पहली बार इन चुनावों में अपना मत देंगे। इसके लिए ज़रूरी है कि महज़ मित्रता या जान पहचान के आधार पर वोट ना करें। उम्मीदवारों के द्वारा मुद्दों से भटकाए जाने पर ध्यान ना दे नहीं तो आप भी अपनी पिछली पीढ़ियों के सामान ही चुनाव में विजय प्राप्त करने के बाद प्रत्याशियों के रफू चक्कर हो जाने से परेशान रहेंगे। उनके घोषणापत्र को भी पढ़िए और फिर अपनी पसंद के उम्मीदवार को चुनिए। पिछले छात्र संघ के खिलाफ हुई कार्यवाई से सीख लेते हुए अवं इस आशा के साथ कि नवनिर्वाचित छात्र संघ पदाधिकारी GBM की मांगों को पूरा करने के लिए कार्य करेंगे हम उम्मीद करते है कि सभी प्रतिनिधि बिट्स पिलानी का नाम और आगे ले जाने के लिए कार्यरत रहेंगे। हिंदी प्रेस क्लब के इस विशेष छात्रसंघ चुनाव संस्करण में आप अंदर पाएंगे चुनाव आयोग, अध्यक्ष अवं महासचिव पदों के उम्मीदवारों का विस्तृत साक्षात्कार जिसमे उन्होंने GBM तक अपना सन्देश देने का प्रयास किया है। इसके साथ आप पाएंगे हॉस्टल परीतिनिधिों का संक्षिप्त साक्षात्कार और इस बार क्या है ख़ास।

आशा है की नवीनता के जुड़े चुनाव का परिणाम सबके लिए अनुकूल रहे और वह उम्मीदवार जीते जो योग्य हो। जाते जाते सभी उम्मीदवारों से बस यही अपील करूँगा को इस चुनाव के कारण किसी से भी मतभेद ना रखे और जीत या हार जो भी हो उसे सहर्ष स्वीकार करें।

अनुक्रमणिका

इनफॉरमेशन सेमिनार	3
इस बार क्या है ख़ास	4
चुनाव आयोग का साक्षात्कार	5
कमल चौहान से साक्षात्कार	7
विनायक एस. से साक्षात्कार	8
नमन जलान से साक्षात्कार	9
यश शारदा से साक्षात्कार	11
यशवर्धन किस्वनी से साक्षात्कार	12
आशीर्वाद करांडे से साक्षात्कार	14
H-Rep से साक्षात्कार	16

इनफॉरमेशन सेमिनार: चुनाव प्रक्रिया का संक्षिप्त परिचय

बिट्स पिलानी के चुनाव आयोग ने चुनावी सप्ताह का उद्घाटन करने हेतु, व GBM को सभी चुनावी उम्मीदवारों से अवगत कराने हेतु, 11 सितंबर 2022 को इनफॉरमेशन सेमिनार का आयोजन किया। यह सम्मेलन सुबह 10:30 बजे NAB औडीटोरिअम में किया गया।

सेमिनार की शुरुआत अस्सोसिएट डीन, नवीन सिंह और चीफ़ वार्डन राजेश प्रसाद मिश्रा के शब्दों से हुई। उन्होंने सभी उम्मीदवारों को चुनाव व प्रचार के दौरान कैंपस में शांति और सामंजस्य बनाये रखने व पूर्ण शिष्टाचार के साथ, नियमों का पालन करते हुए, सत्यनिष्ठा से चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने समझाया कि चुनाव के विजेता को एक पूरे वर्ष के लिए GBM का सामना करना है, और उनके प्रतिनिधि की भूमिका निभानी है, इसलिय वे चुनाव के दौरान ऐसा कोई कदम न उठायें जिससे GBM को अप्रसन्नता हो। नवीन सर व राजेश सर ने उम्मीदवारों को शुभकामनाएँ दी, और कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

इसके पश्चात चुनाव आयोग ने सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया की समयरेखा से सभी को अवगत कराया और GBM को सूचना दी गई कि मतदान 18 सितंबर 2022 को किया जायेगा। उसके उपरांत, हॉस्टल प्रतिनिधि के पद के लिए खड़े हुए सभी विद्यार्थियों से GBM को परिचित कराया गया।

सेमिनार के मुख्य उद्देश्य पर आते हुए, महासचिव पद के उम्मीदवार, कमल चौहान, नमन जलान, विनायक एस. और यश सारदा को मंच पर आमंत्रित किया गया। इन सभी ने GBM के समक्ष अपना घोषणापत्र और SOP प्रस्तुत किया, और फिर इन सभी को एक-दुसरे से सवाल जवाब करने का मौका दिया गया। उम्मीदवारों ने अपने प्रतिद्वंद्वियों के घोषणापत्र में कमियां निकली और उनसे संबंधित कई महत्वपूर्ण सवाल पूछे। सेमिनार के इस भाग का अंत करते हुए GBM के सदस्यों को भी उम्मीदवारों से सवाल करने का मौका दिया गया। उपरोक्त प्रक्रिया को अध्यक्ष पद के उम्मीदवार, आशीर्वाद करांडे और यशवर्धन प्रकाश किस्वनी के साथ दोहराया गया।

इसी के साथ, चुनाव आयोग की पूर्ण चेष्टा से आयोजित, यह इनफॉरमेशन सेमिनार सफलतापूर्वक समाप्त हुआ।

इस बार क्या है ख़ास

हर वर्ष बिट्सियंस कई गतिविधियों में भाग लेकर अपने महाविद्यालय के अनुभव को संपन्न करतें हैं , इन सभी में से एक आयोजन चुनाव प्रक्रिया होती है। उत्साह, हर्ष, मायूसी, घबराहट और जोश अगर एक हाथ की पाँच उँगलियाँ होती हो, वह हस्त चुनाव कहलाता। जैसे कोई दो दिन एक समान नहीं होते वैसे ही यह असामान्य प्रक्रिया हर वर्ष अपने साथ एक नया रंग-रूप लाती है। सर्वप्रथम बात इस चुनाव प्रक्रिया को कराने के माध्यम में है। भले ही वर्त्तमान में यह एक तुच्छ तर्क लगे परंतु हम कैसे भूल सकते हैं की चुनाव ऑफलाइन माध्यम में एक वर्ष के ऑनलाइन सफ़र को पूरा करके लौट रहा है। इस एक बदलाव के कारन छात्र आमने-सामने होने वाले प्रचार, वाद-विवाद और अन्य चुनाव के तत्वों में भाग लेकर इस प्रक्रिया को और रोमांचक बना सकते हैं। इस तर्क के कारन उम्मीदवार कैम्पस पर होने वाली समस्याओं का अच्छे से विश्लेषण कर साध्य सुझाव एवं परिवर्तन कर सकते हैं।

उम्मीदवारों से याद आया कि इस बार के अध्यक्ष और महासचिव के पद को प्राप्त करने हेतु उम्मीदवारों को केवल NOTA ही नहीं परंतु वास्तविक प्रतियोगियों का सामना करना होगा। महासचिव के पद के लिए 4 और अध्यक्ष के पद के लिए 2 उम्मीदवार इस वर्ष खड़े हो रहें हैं। इस परिवर्तन का चुनाव पर क्या असर होगा वो तो वक्त ही बताएगा, परंतु यह तो स्पष्ट है कि मतदाताओं के पास तुलना करने हेतु 4 शब्दों के बजाए नए चेहरे होंगे।

जब एक पद के लिए चार उम्मीदवार और हर एक के तीस-तीस प्रचारक हों तो फैसला करना कठिन हो सकता है। इस जटिल प्रक्रिया को थोड़ा सरल बनाने हेतु चुनाव आयोग ने एक जानकारी सत्र करवाया था जिसमें हर उम्मीदवार का घोषणापत्र उम्मेदवार द्वारा पेश किया गया था। यह मामूली सा दिखने वाला पत्र उन कई वादों का स्थान है जिनके दम पर चुनाव हारे और जीते जाते हैं | कैंपस के कुछ ऐसे मुद्दे थे जिनको अनेक घोषणापत्रों में स्थान मिला और कुछ अनूठे मुद्दे थे जो आज शायद पहली बार प्रकाशित हुए किसी ने पौष्टिक आहार का मुद्दा उठाया तो किसी ने कैंपस पर उपलब्ध भोजन के स्थानों का अंत-समय बढ़ाने की घोषणा की | किसी ने साइकिल क्लब के आविष्कार की बात की तो किसी ने अवैध पदार्थों के मुद्दे को प्रकाशित किया |

यह गंभीर मुद्दे सुनने के बाद जब भवन लौटे तो याद आया की इस चुनाव में भवन और दिवा छात्रों(Day-scholar) के प्रतिनिधि भी हमें इस शैक्षिक वर्ष के लिए मिलेंगे | प्रत्येक भवन के मुद्दों को सुलझाने हेतु वे छात्रों के संपर्क में रहेंगे | दिलचस्प और अनूठी बात तो यह है कि इस बार कृष्ण, वी.के. और गाँधी भवन के प्रतिनिधियों का चुनाव प्रथम वर्ष के छात्रों के बिना ही करवाया जा रहा है|यह तो अब समय ही बताएगा की इस फैसले का भवन की गतिविधियों पर कैसा प्रभाव होगा |

इन जानकारियों के साथ हम सब एक महा चुनाव प्रक्रिया की ओर बढ़ रहे हैं जिससे छात्र संघ के नेतृत्व का फैसला होगा | इन नई गतिविधियों के जोश को केवल एक प्रश्न सताता है कि क्यों इस वर्ष भी अध्यक्ष ओर महासचिव के पद के लिए कोई मीरा भवन की निवासी चित्र में नहीं है ?

चुनाव आयोग का साक्षात्कार

प्रश्न 1: कैम्पस पे E.C. की क्या भूमिका हैं और एक सफल चुनाव प्रक्रिया को आयोजित करवाने में किन चीज़ों की आवश्यकता होती है ?

उत्तर: चुनाव आयोग की भूमिका एक निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया करवाने की है जहाँ हर उम्मीदवार को बराबर मौका मिले ओर किसी को भी अनुचित लाभ न प्राप्त हो। यह सुनिश्चित करने हेतु हमारे पास दिशा निर्देश हैं जिनका पालन करने की सभी उम्मीदवारों से अपेक्षा है ओर यदि कोई इनका उल्लंघन करे तो हमारा काम उन्हें दंडित कर सभी को एक समान स्तर पर लाना हैं। एक सफल चुनाव करवाना हमारा ओर उम्मीदवारों दोनों की ज़िम्मेदारी हैं। दिशा निर्देशों का पालन करने से सभी का काम आसान होता है ओर सबसे योग्य उम्मीदवार चुना जाता है।

प्रश्न 2: पिछले वर्ष के मुकाबले हम इस वर्ष ऑनलाइन की जगह एक वास्तविक चुनाव प्रक्रिया अनुभव करने जा रहे हैं, इस कारन आपको किन चुनौतियों का सामना करना होगा और परिस्थिति फिर सामान्य होने से आपकी क्या अपेक्षाएं हैं ?

उत्तर: यह पहली बार नहीं है कि चुनाव आयोग एक ऑफलाइन चुनाव करवा रहा हैं। हमारे साथ कॉलेज प्रशासन का पूरा सहयोग है ओर हम चुनाव आयोग के पूर्व सदस्यों के संपर्क में हैं। इसके अलावा यह पहली बार बिट्स के इतिहास में हो रहा है कि चुनाव हाइब्रिड तरीके से हो रहे हैं जिसमें आपको दोनों ऑनलाइन ओर ऑफलाइन के तत्व मिलेंगे। हम अपेक्षा करते हैं की मतदाताओं की उपस्थिति बढ़े।

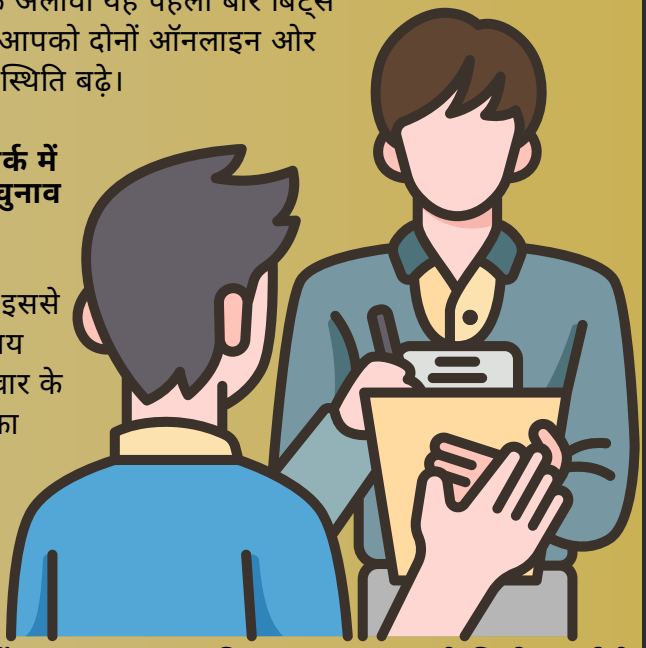

प्रश्न 3: एक वास्तविक चुनाव प्रक्रिया में हर कोई एक दूसरे के संपर्क में होता है , E.C. उन कदाचारों को कैसे रोकता है जिनकी वजह से चुनाव प्रक्रिया कुख्यात है ?

उत्तर: हम यह विश्वास करना पसंद करते हैं की उम्मीदवार कदाचारों में भागीदार नहीं होंगे ओर यदि ऐसा कुछ होता है तो हम सूचना अनुसार इससे झूझते हैं क्योंकि हम एक छोटे समूह का हिस्सा हैं जो हर जगह हर समय उपस्थित नहीं हो सकते। यदि कोई सूचना मिलती भी है तो हम उम्मीदवार के पक्ष को पहले रखते हैं क्योंकि वह सूचना गलत एवं विरोधी अभियान का हिस्सा भी हो सकती है। जहाँ भी हम कदाचार देखते हैं वहाँ हम उसके चुनाव पर पड़ने वाले असर को बेअसर करने की कोशिश करते हैं। हमें मोटे तौर पे पता चल जाता है कहाँ ऐसे कदाचार होतें हैं, तो हम ऐसे पैमाने अपनाते हैं जिससे भविष्य में ऐसा कुछ न हो।

प्रश्न 4: औडी में होने वाले वाद-विवाद को लेकर सब उत्साहित हैं , क्या आप इसकी एक झलक हमारे द्वितीय वर्ष के छात्रों को दे सकते हैं जो इसे पहली बार अनुभव करने जा रहे हैं।

उत्तर: औडी वाद-विवाद में सारे महासचिव ओर अध्यक्ष के उम्मीदवार एकत्रित होकर एक पैनल, जिसमें चुनाव आयोग, सी.आर.सी ओर अन्य छात्र संगठन मौजूद होते हैं, उम्मीदवार सवालों का सामना करते हैं जो उनके घोषणापत्र में तर्कदोश निकलते हैं। इसके अलावा वे उनको अपने बिट्स छात्रावास में उठाए गलत कदम पर प्रश्न करतें हैं। इसलिए औडी वाद विवाद का काम होता हैं उन बातों को प्रकाशित करना जो चुनाव प्रचार के दौरान छिपी रहती हैं ताकि मतदाता सूचित निर्णय ले सकें।

प्रश्न 5: पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष महासचिव और अध्यक्ष पद के उम्मीदवार केवल NOTA से चुनाव नहीं लड़ेंगे, यह वास्तविकता चुनाव प्रक्रिया की गतिविधियों पर कैसा प्रभाव डालेगी।

उत्तर: पहले तो यह बहुत ही अच्छा बदलाव है क्योंकि केवल NOTA के खिलाफ खड़े होने से चुनाव की लोकतांत्रिकता कम हो जाती है। यह बदलाव वाद-विवाद, सूचनात्मक संगोष्ठी ओर चुनाव प्रचार को ज़्यादा रोमांचक बनाता है। चूँकि एक से अधिक उम्मीदवार खड़े हुए हैं, हम अपेक्षा करते हैं की मतदाताओं की उपस्तिथि भी बढ़ेगी। जब एक से अधिक उम्मीदवार होते हैं तो वे आपस में भी एक दूसरे पर नज़र बनाए रखते हैं जिसके कारण यदि कोई कदाचार होता है तो हमें उसकी सूचना मिलना और आसान हो जाता है।

प्रश्न 6: 2022 बैच इस चुनाव प्रक्रिया के समाप्त होने के पश्चात कम्पुस पे आएंगे और भविष्य में ज़रूर एस.आर. भवन के भवन प्रतिनिधि का चुनाव होगा परंतु वी.के., कृष्ण और गाँधी भवन का क्या जिसके चुनाव अभी बिना अधिकतम भवन निवासियों के मत से होगा ?

उत्तर: जो भी प्राथमिक वर्ष के छात्र इन भवनों में होंगे वे कम होंगे और जिस भवन में वे रहेंगे वहाँ हम द्वि-चुनाव करवाने का भी प्रबंध करेंगे चूँकि उनका अभी कोई उम्मीदवार नहीं हैं। अभी यह चुनाव करवाने का कारण OASIS है क्योंकि इसे सफलतापूर्ण करवाने हेतु एक अध्यक्ष और महासचिव की आवश्यकता है।

प्रश्न 7: अभी हालही में जो संवेधानिक समिक्षकर्ण हुई है उसका इस चुनाव प्रक्रिया पर क्या प्रभाव पड़ेगा जिसके बारे में आप बिट्स के छात्रों को बताना चाहेंगे।

उत्तर: कुछ खंड हैं जो उम्मीदवारों की पात्रता का उल्लेख करते हैं। पहले जो भी चुनाव आयोग, सी.आर.सी और एस.एस.एम्.एस के सदस्य हैं वे अध्यक्ष और महासचिव के पद के लिए नहीं खड़े हो सकते थे। अभी इसमें और कैंपस निकायों को जोड़ा गया है जो पहले मौजूद नहीं थे। इसके अलावा हम यह भी बताना चाहेंगे कि यह बदलाव अंतिम नहीं है, हमने हमारे दरवाज़े सुधार के लिए खुले रखे हैं।

प्रश्न 8: आखिर में बिट्सियन्स के लिए आपका इस चुनाव प्रक्रिया को मद्देनज़र रखते हुए क्या सुझाव है?

उत्तर: बिट्स में अभी तक चुनाव और राजनीती की ओर लोगों का कम आकर्षण रहा है और हम चाहेंगे की बिट्सियंस इस प्रक्रिया में ज़्यादा भाग लें क्योंकि चुनावी सप्ताह में ऐसे कई आयोजन होते हैं जिसके माध्यम से वे अपने भावी प्रतिनिधियों से मिलकर उन्हें जान सकते हैं। जो भी उम्मीदवार चुने जाएंगे वे बहुत सारे कॉलेज आयोजन के लिए ज़िम्मेदार होंगे जैसे की फेस्ट और छात्र संघ की हर पहल में इनका हाथ होगा। इसलिए मतदान महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उनके मत के आधार पर जो उमीदवार चुना जायेगा उसके हर फैसले का कैंपस के हर छात्र पर प्रभाव होगा। हम अनुरोध करतें हैं कि सभी लोग हर उम्मीदवार के घोषणापत्र को ध्यानपूर्वक पढ़े और एक सोचा समझा फैसला लें।

महासचिव पद के उम्मीदवार कमल चौहान से साक्षात्कार

प्रश्न 1: चुनाव लड़ने का निर्णय आपने कब और कैसे लिया? आपके चुनाव लड़ने की क्या वजह है? आपको यह चुनाव लड़ने की प्रेरणा कहाँ से मिली?
उत्तर : मैं मध्यम वर्ग से आने वाला एक छात्र हूँ, बचपन से विद्यालय में एक शांत छात्र रहा हूँ। कॉलेज आने पर काफी लोगो से बात की और यह समझ आया की लोगों की सहायता करना मुझे अच्छा लगता है। मैं जितने भी क्लबस् का हिस्सा था उन सभी में जो भी काम मिलता उसे अच्छे से पूरा करने की कोशिश करता था, अतः छात्रों की मदद करने के लिए ही में इस चुनाव में खड़ा हो रहा हूँ।

प्रश्न 2: आपको महासचिव (GenSec) और अध्यक्ष (President) के काम में क्या अंतर लगता है, और आप महासचिव पद के लिए क्यों खड़ हुए ?
उत्तर: अध्यक्ष CoSTAAn और StuCAAn होता है अर्थव्यवस्था का और महासचिव CoSTAAn और StuCAAn होता है इन्वेंटरी का। मैं छात्रसंघ का हिस्सा नहीं था परन्तु मैंने छात्रसंघ के लिए काम किया है, मैंने जो काम किया है उसमे मेरा बातचीत कई अध्यक्षों से हुआ, मुझे पता चला कि एक अध्यक्ष कैसे किसी काम को अंजाम देता है, इसीलिए मैं अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ रहा हूँ।

प्रश्न 3: आप खुद को महासचिव पद के लिए सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार क्यों मानते है?
उत्तर: मुझे लगता है कि सभी उम्मीदवार अनुभवी है परन्तु मेरा विश्वास है की लोगों से बात करते समय मैं अपनी बातो में स्पष्टता रखता हूँ। यह कौशल मुझे भविष्य की जिम्मेदारियों को भी पूरा करने में सहायता करेगा, इस कारण से मैं स्वयं को महासचिव पद के लिए सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार समझता हूँ।

प्रश्न 4: क्या आप संविधान समीक्षा में किए गए संवैधानिक संशोधनों के बारे में जानते हैं? आपने पहला ड्राफ्ट पढ़कर उसपे कोई टिप्पणी/सझाव दिए?
उत्तर: संविधान में इस बार बहुत संशोधन किए गए है, पहले संघ एवं एसएसएमएस (ssms) के सदस्य चुनाव में हिस्सा नहीं ले सकते थे और किसी उम्मीदवार का प्रचार भी नहीं कर सकते थे, इस सूची में इस साल SFC को भी जोड़ दिया गया है जो की मुझे सही लगा क्योंकि अगर कोई संस्था संविधानिक निकाय का हिस्सा है तो उसे चुनाव से दूर रहना चाहिए।

प्रश्न 5: आपने पिछले संघ की गलतियों से क्या सीखा और आप अपने कार्यकाल को बेहतर कैसे करेंगे? पिछले संघ का कार्यकाल छोटा कर दिया गया था, आप ये कैसे निश्चित करेंगे की इस बार ऐसा ना हो?
उत्तर: मुझे लगता है कि पिछले कार्यालय की सरंचना मजबूत नहीं थी, सदस्यों के बीच कार्य सही रूप से परिभाषित नहीं था, पारदर्शिता एवं जवाबदेही की कमी थी, मैं इन सब में सुधार लाने का प्रयत्न करूँगा ताकि घोषणापत्र के सारे बिंदुओं को पूरा किया जा सके। CoSTAA, EC एवं संघ को समन्वय करना चाहिए, अपनी भूमिकाओं का सही रूप से पालन करना चाहिए।

प्रश्न 6: आपके घोषणापत्र (manifesto) के मुख्य बिन्दु क्या है? क्या आपके पास कुछ नए प्रस्ताव है जिसके बारे में पहले ज़्यादा न सोचा गया हो?
उत्तर: मुझे लगता है की ज़्यादातर घोषणापत्र के बिंदु एक भांति ही होते है परन्तु मेरा घोषणापत्र अलग है। मेरा घोषणा पत्र दो बिंदुओं में विभाजित है, रहन-सहन (living conditions) और शैक्षिक ढील (academic flexibility)। कॉलेज में छात्र प्रतिनिधित्व को सुधारना होगा, पिछले घोषणापत्रो के अधूरे बिंदुओं को भी पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।

प्रश्न 7: GBM के सदस्य होने के तौर पर आपको छात्र संघ की सबसे बड़ी खामी क्या लगती है और आप उसे कैसे ठीक करेंगे?
उत्तर: मैं GBM का हिस्सा हूँ, जैसा कि मैंने कहा छात्रसंघ में पारदर्शिता एवं जवाबदेही की कमी है, संघ हमेशा GBM के पहुँच योग्य हो और उनकी समस्याएँ सुने एवं समाधान ढूंडने का प्रयत्न करे, GBM से प्रतिक्रिया लेकर छात्रों के हित में कार्य करे|

प्रश्न 8: चुनाव से पहले आप बिट्सियनस् को क्या सन्देश देना चाहेंगे ?
उत्तर: चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है और कई सालों बाद ऑफलाइन हो रहे है। मैं चहता हूँ कि छात्र भारी मात्रा में वोट डालने आए, उम्मीदवारों का घोषणापत्र पढ़ें, उम्मीदवारों का आचरण देखें और सही उम्मीदवार को वोट डालकर जीत दिलाए।

महासचिव पद के उम्मीदवार विनायक एस. से साक्षात्कार

प्रश्न 1: आपने कब फैसला किया कि आप चुनाव लड़ना चाहते हैं और कुछ प्रमुख कारण क्या थे?
उत्तर: मैं अपने पहले साल के ब्रेक में छात्र संघ की पहल से जुड़ा था और मैं एक प्रचारक के रूप में छात्रसंघ चुनाव में सक्रिय था और इससे पहले भी मैं कुछ पहलों में छात्रसंघ तक पहुंचा था। मुझे लंबे समय से लोगों की मदद करने में दिलचस्पी रही है। इस तरह मेरा परिचय छात्र संघ में हुआ। इसलिए मैंने एक कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में बहुत आधार स्तर से काम किया है, चूंकि कोई कोर कमेटी सदस्य नहीं था, मैंने उस क्षितिज के काम को भी निपटाया और इस समय में जो अनुभव मुझे प्राप्त हुए, वह चुनाव लड़ने के लिए मेरी प्रेरणा थी। मैंने जो सही समय तय किया वह इस साल फरवरी के आसपास था।

प्रश्न 2: यदि लोग नई पहल करने की कोशिश करते हैं, जैसे नए क्लब और संगठन बनाना, तो आपके मार्गदर्शन के तरीके क्या होंगे?
उत्तर: यह मुद्दा मुख्य रूप से एक महासचिव के उम्मीदवार के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि बहुत सारे क्लब संबंधित मामले, व्यापारिक हस्ताक्षर और अन्य मुद्दे सीधे उनके अधिकार क्षेत्र में हैं। इसलिए, अगर मैं जीत जाता हूं, तो मैं मुख्य रूप से यही काम करूंगा। ऐसे कई उदाहरण हैं जहां लोगों ने अनौपचारिक रूप से मेरे पास क्लबों पर विचार करने में मदद करने के लिए संपर्क किया है। मैंने विचार की व्यवहार्यता के साथ काम किया, हालांकि यह मेरे अधिकार क्षेत्र में नहीं था, मैंने उनसे जो कहा वह था आगे बढ़ना और क्लब की प्रारंभिक आधार रेखा बनाना और उन्हें बताया कि प्रक्रिया में अगला कदम क्या है जो आगे होगा।

प्रश्न 3: आपने अध्यक्ष पद के स्थान पर महासचिव का पद क्यों चुना?
उत्तर: एक औसत GBM सदस्य के लिए जिसे यूनियन काउंसिल का कोई अनुभव नहीं है, उन्हें लगेगा कि अध्यक्ष पद महासचिव पद से अधिक महत्वपूर्ण है, लेकिन जब आप SU में काम करेंगे तो आपको पता चलेगा कि दोनों बहुत समान पद हैं लेकिन एक ही समय में बहुत अलग। प्राथमिक अंतर जो मुझे लगता है वह यह है कि महासचिव बहुत सारे आंतरिक मामलों का प्रभारी होता है और अध्यक्ष नाममात्र के प्रमुख की तरह होता है जो बाहरी मामलों में परिसर का प्रतिनिधित्व करता है और मुझे लगता है कि मेरा व्यक्तित्व सामान्य सेक पद की ओर अधिक संरेखित है और विशेष हैं। इसके कारण - मुझे लगता है कि मैं अधिक सहानुभूतिपूर्ण हूँ, जैसे मैं मदद के लिए मेरे पास आने वाले लोगों की मदद कर सकता हूं, मैं एक कठिन वार्ताकार हूँ और कई अन्य। यह मेरा अनुभव और संघ की समझ है जिसने मुझे यह निर्णय लेने में मदद की।

प्रश्न 4: पिछले कार्यकाल के शुरुआती विघटन से आपकी क्या सीख हैं?
उत्तर: प्रत्येक बिंदु एक सीख है और संघ के अंतिम कार्यकाल के जल्दी विघटन से जो मुझे समझ में आया कि चुनाव आयोग की GBM के सामने तथ्यों की गलत व्याख्या के कारण संघ के अंतिम कार्यकाल को भंग कर दिया था; और एक बड़ी सीख थी GBM के सामने पारदर्शी रहना चाहिए। एक छात्र संघ के प्रतिनिधि को छात्रों का समर्थन होना चाहिए, इसके बिना कोई भरोसा नहीं है। छात्रों का मुझ पर विश्वास बनाए रखने को मैं निश्चित रूप से प्राथमिकता दूंगा।

प्रश्न 6: छात्रसंघ का सदस्य होने के नाते, पिछले वर्षों में आपके अनुसार संघ की सबसे बड़ी कमियां क्या रहीं ?
उत्तर: मैं एक साल से अधिक समय से छात्रसंघ में शामिल हूँ और अगर मैं उन चीजों को बताता हूँ जो संघ में गलत हो रही हैं तो मुझे यह भी बताना होगा कि मैं इन्हें ठीक क्यों नहीं कर पाया। यह सब लोगों के बारे में है। यदि आपके पास काम करने के लिए प्रेरित लोगों का एक समूह है, और जो छात्रसंघ के साथ खड़े हैं, तो SU का माहौल उचित होगा। इसलिए आपके प्रश्न का उत्तर देने के लिए, मैं अधिक कार्योन्मुखी लोगों की भर्ती करना चाहूंगा जो विशेष रूप से काम करने और योगदान करने के लिए हैं।

प्रश्न 7: क्या आप अपने घोषणा पत्र के बिंदुओं को सरल शब्दों में समझा सकते हैं?
उत्तर: मेरे घोषणापत्र का सारांश समावेशी, अच्छी तरह से तैयार और दूरदर्शिता निर्देशित है। प्राथमिक परिवर्तन जो मैं पेश कर सकता हूँ वह है छात्रसंघ के प्रति प्रतिबद्धता (commitment) का स्तर। संघ में बहुत से लोगों की ये प्राथमिकता के रूप में नहीं है, इसलिए मैं इसे बदलने का इरादा रखता हूं। मैंने अपने घोषणापत्र में चुने हुए बिंदुओं को मुख्य रूप से सामान्य रूप से अनुभव के कारण चुना। मेरे बहुत से बिंदु उत्पादक बातचीत के उत्पाद हैं। लोग अपनी चिंताओं को उठा रहे हैं और मैं उन लोगों के साथ परामर्श करके किसी परिणाम में इसे सुधार रहा हूँ।

प्रश्न 8:आपके घोषणा पत्र में एक बिंदु जिस पर आपके जीतने के तुरंत बाद काम किया जाएगा?
उत्तर: पी.एस सुधारों के संबंध में मेरे घोषणापत्र में दूसरा बिंदु ऐसा ही एक बिंदु है। यह पिछले चुनावों में सामने आया था लेकिन समस्या के प्रति मेरा दृष्टिकोण बिल्कुल अलग है। मैं पी.एस डीन के साथ बातचीत में और पी.एस 1 के संबंध में सिस्टम फिक्सिंग में काफी सक्रिय रहा हूँ। एक पी.एस स्टेशन के रूप में योग्यता मेरा प्रमुख प्रश्न था। छात्र मुद्दों को आम तौर पर रोक दिया जाता है और अनुरोधों पर कार्रवाई शायद ही कभी की जाती है। पी.एस स्टेशनों में से एक की वैधता के संबंध में मेरे पास इसी तरह का अनुरोध आया था। मैंने अपने संकाय प्रभारी (faculty in-charge) पी.एस डीन को मेल किया और शिकायतकर्ता के साथ एक लंबी फ़लदार बातचीत की। मुझे प्रशासन द्वारा लंबे समय तक रोका गया था और बाद में केवल मेरे संकाय प्रभारी के पास पहुंचने का निर्देश दिया गया था और मुझे आगे की बातचीत बंद करने के लिए कहा गया था। मुझे इन चीजों से निपटने की स्थिति में होना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी को उचित उत्तर प्रदान किए जाएं।

महासचिव पद के उम्मीदवार नमन जलान से साक्षात्कार

प्रश्न 1: आपने चुनाव लड़ने का निर्णय कब और कैसे लिया और यह चुनाव लड़ने की आपकी प्रेरणा क्या है?
उत्तर: छात्र संघ के साथ काम करते हुए मैंने देखा कि अध्यक्ष और महासचिव छात्रों के लिए बड़े बदलाव लाने की शक्ति रखते हैं। उस समय मुझे यह एहसास हुआ कि यदि मैं इस पद पर हुआ तो मैं छात्रों के हित के लिए काम कर पऊँगा और यह मैंने अपने घोषणापत्र में भी दर्शाया है।
इस चुनाव में लड़ने की मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा यही है कि जब मैं आज से 5 या 6 वर्षों बाद कैम्पस पर आऊँ तो मैं उन सभी बदलावों को देख पाऊँ जिन्हें लाने का प्रयास मैं चुनाव जीतने के बाद करूँगा।

प्रश्न 2: आपको महासचिव (General Secretary) और अध्यक्ष (President) के काम में क्या अंतर लगता है, और आप अध्यक्ष पद के लिए क्यों खड़े नहीं हुए? आप खुद को महासचिव के पद के लिए सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार क्यों मानते हैं ?
उत्तर: अध्यक्ष सभी वित्त सम्बंधित कामों को देखता है, वहीं महासचिव का काम सभी सूची सम्बंधित कामों को देखना होता है। महासचिव बनकर मैं छात्रसंघ का चेहरा नहीं बल्कि दिल बनना चाहता हूँ व सभी छात्रों के हित के लिए दिल से काम करना चाहता हूँ।
मेरे अनुसार मैं महासचिव के पद के लिए सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार इसलिए हूँ क्यूँकि मेरी बदलाव लाने की दृष्टि बिल्कुल स्पष्ट है। मुझे मालूम है कि मैं किन-किन बदलावों को कॉलेज में होता हुआ देखना चाहता हूँ जब मैं 5 या 6 वर्षों बाद यहाँ वापस आऊँ।

प्रश्न 3: संविधान समीक्षा में किए गए संवैधानिक संशोधनों के बारे में आप क्या कहना चाहेंगे ?
उत्तर: चुनाव आयोग द्वारा लिए गए यह काफ़ी अच्छे निर्णय हैं जिसमें पारदर्शिता का खास ध्यान रखा गया है। पिछली बार हुई APOGEE REVIEW MEET में हमने देखा था कि किस प्रकार UC ने कुछ चीज़ों का गलत फ़ायदा उठाया था। ऐसा दोबारा न हो, इस बात का भी काफ़ी ध्यान रखा गया है तथा क्लब्स और विभागों (DEPARTMENTS) की शक्तियों में भी अच्छे बदलाव लाये गए हैं। GBM को ज़्यादा प्रभावशाली बनाने की ओर यह चुनाव आयोग द्वारा लिया गया एक अच्छा कदम है।

प्रश्न 4: आपने पिछले संघ की गलतियों से क्या सीखा और आप अपने कार्यकाल को किस प्रकार बेहतर करेंगे ?
उत्तर: मैं पूर्ण रूप से यह मानता हूँ कि पिछले कार्यकाल के दौरान काफ़ी गलतियाँ की गई थीं। UC द्वारा अपनी शक्तियों का गलत इस्तमाल किया गया था व UC कहीं न कहीं खुदको सविंधान से ऊँचे स्तर पर मानता था। यह सत्य है कि चुनाव आयोग द्वारा लाये गए बदलावों से यह स्तिथी दोबारा नहीं आएगी परन्तु मैं अपने ओर से भी पूरा प्रयास करूँगा कि मेरे कार्यकाल में सभी को अपनी बातें रखने का मौका मिले। छात्रसंघ GBM के पहुँच-योग्य हो, इस बात का ख़ास ध्यान रखा जाएगा और GBM को 'EXCOM' के रूप में देखा जाएगा ताकि नए-नए बदलावों का छात्रसंघ में स्वागत हो सके।

प्रश्न 5: पिछली बार संघ का कार्यकाल छोटा कर दिया गया था, इस पर आपका क्या विचार है ?
उत्तर: जैसा कि सभी को पता है कि यह निर्णय चुनाव आयोग द्वारा लिया गया था, इसलिए हम इस निर्णय का स्वागत करते हैं व मानते हैं कि यदि छात्रसंघ द्वारा कुछ गलत किया जा रहा है तो उस पर सख्त कार्रवाई होना काफ़ी अहम है।

प्रश्न 6: आपके घोषणापत्र (MANIFESTO) के मुख्य बिन्दु क्या हैं ? क्या आपके पास कुछ नए प्रस्ताव हैं जिसके बारे में पहले ज़्यादा न सोचा गया हो ?

उत्तर: मेरे घोषणापत्र के मुख्य बिन्दु कुछ इस प्रकार हैं-

इस बार सविंधान में लाये गए नए संशोधन 'RIGHT TO INFORMATION' के तहत हर छात्र को वित्त सम्बंधित पूरी जानकारी एक 'AUDIT REPORT' के रूप में दी जायेगी जिसमें उसके द्वारा किये गए सारे खर्चों की जानकारी होगी व पारदर्शिता का मुख्य रूप से ध्यान रखा जाएगा।

मीरा भवन में लड़कियों को रोज़ाना आने वाली कठिनाइयों जैसे 'SANITARY PADS' का न होना, पानी की समस्या आदि का ख़ास ध्यान रखा जाएगा ताकि उनको दी जाने वाली सुविधाएँ लड़कों की तुलना में बराबर हों।

'BITS-ACADS' की ऐप को वापस कार्य में लाया जाएगा व सप्ताह के अंत में कक्षा में हुए सभी कार्यों से अपडेट किया जाएगा।

'DG-BACKUP' का हर जगह प्रबंध किया जाएगा, कॉमन रूम्स में AC लगाया जाएगा और 2022 में आने वाले छात्रों को कॉलेज से रूबरू कराने के लिए "FRESHER'S PARTY" का आयोजन भी कराया जाएगा।

यह मेरे घोषणापत्र के मुख्य बिंदु हैं।

प्रश्न 7: बिट्स की बढ़ती फ़ीस को देखकर बहुत सारे काबिल विद्यार्थियों का यहाँ पढ़ने का सपना मात्र एक सपना रह जाता है , इस से कॉलेज तथा ALUMNI संघ को भी बहुत नुकसान होने की आशंका है , इस बारे में आपके क्या विचार हैं और आप इस शेत्र में क्या कदम उठा सकते हैं ?

उत्तर: बिट्स की फ़ीस हमेशा से ही एक बड़ी परेशानी रही है। मैं यह वादा नहीं कर सकता कि मैं इसे कम कराने में सफल रहूँगा पर मैं यह कह सकता हूँ कि फ़ीस कम करने व छात्रवृत्ति को बढ़ावा देने का पूरा प्रयास करा जाएगा।

प्रश्न 8: सत्ता में आने पर आप सबसे पहले क्या करेंगे ?

उत्तर: मेरा पहला प्रयास मीरा भवन के हालातों को सुधारने में होगा । मीरा भवन से कोई 'H-REP' न होने के कारण उनकी सभी समस्याओं का समाधान हमें ही करना होगा । काफ़ी लड़कियों से बातचीत में मुझे मालूम चला कि मीरा भवन के 'BLOCK-9' की हालत काफ़ी ज़्यादा खराब व जल्द से जल्द उसे सुधारने की ज़रूरत है । इसलिए मीरा भवन की देखरेख ही मेरा पहला कदम होगा ।

प्रश्न 9: आपके अनुसार आपकी सबसे बड़ी कमज़ोरी क्या है और आप उसे किस प्रकार सुधारेंगे ?

उत्तर: मेरे अनुसार मेरी दो सबसे बड़ी कमज़ोरी- संचार कौशल (communication skills) में दिक्कतें व मेरा 'INTROVERT' होना है। परन्तु पिछले कुछ समय से छात्रों से बातचीत करने के बाद व अन्य अनेक प्रयासों से मैंने इनको काफ़ी हद तक सुधार लिया है।

प्रश्न 10: यदि आप अपना वर्णन एक ही शब्द से करना चाहेंगे, तो वह क्या होगा ?

उत्तर: अन्वेषक (EXPLORER)।

प्रश्न 11: आखिर में आप सभी GBM के लोगों को क्या सन्देश देना चाहेंगे ?

उत्तर: मैं सभी लोगों को बस यही कहना चाहूँगा कि आपका हर एक वोट बहुत मान्य रखता है इसलिए हर किसी का घोषणापत्र ध्यान से पढ़कर समझदारी के साथ वोट दें व वोट देने ज़रूर जाएँ।

महासचिव पद के उम्मीदवार यश शारदा से साक्षात्कार

प्रश्न 1: महासचिव पद के लिए चुनाव लड़ने का निर्णय आपने कब किया था? इसके पीछे मुख्य कारण क्या रहे?
उत्तर: मेरे मन में SSMS चुनाव लड़ने का विचार था, वह इस वर्ष के APOGEE से पहले था, उस समय मैंने केवल प्रचार किया जिसके दौरान मैं GBM के सदस्यों के संपर्क में आया और मैंने यह महसूस किया कि इससे ऊपर और भी पद हैं, जो अधिकांश छात्रों के मुद्दों को हल कर रहे है।

प्रश्न 2: आपको महासचिव (General Secretary) और अध्यक्ष (President) के काम में क्या अंतर लगता है, और आप अध्यक्ष पद के लिए क्यों खड़े नहीं हुए ?
उत्तर:महासचिव और अध्यक्ष के कामकाज में बहुत बड़ा अंतर है, अगर हम किसी भी फेस्ट के दौरान महासचिव के काम के बारे में बात करते हैं तो उसमे क्लबों और विभागों के कामकाज की निगरानी करना और इन्वेंट्री की ज़िम्मेदारी आती है, जबकि अध्यक्ष का काम इवेंट के वित्त सम्बंधित विभाग को देखना है। क्यूंकि मैंने क्लबों और विभागों के साथ काम किया है इसलिए मैंने महासचिव का चुनाव लड़ना पसंद किया।

प्रश्न 3: आप खुद को महासचिव के लिए सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार क्यों मानते है?
उत्तर:मुझे लगता है कि मैं सबसे अच्छा उम्मीदवार हूं क्योंकि मुझे पता है कि काम कैसे करना है। लोग मुझ पर आरोप लगाते हैं कि मुझे छात्र संघ में काम करने का कोई अनुभव नहीं है किन्तु मैं इस तथ्य में विश्वास करता हूं कि यह जरूरी नहीं है कि जो एस०यु० का हिस्सा रहे हैं केवल वह लोग ही जीबीएम के मुद्दों को समझ सकते हैं। यदि केवल अनुभव सिर्फ एस०यु० के लोगों के पास है तो वे आपस में चुनाव क्यों नहीं करवाते है। मेरा मानना है कि मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो जीबीएम के प्रति जवाबदेह और स्वीकार्य है। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि मेरे घोषणापत्र में सभी बिंदुओं में से 80% को कवर किया जाए। मैं बहुत सारी आंतरिक राजनीति के कारण एस०यु० का हिस्सा नहीं रहा हूं। मैं सत्ता के कारण महासचिव नहीं बनना चाहता, मैं लोगों के कारण बनना चाहता हूं।

प्रश्न 4: आपने पिछले संघ की गलतियों से क्या सीखा और आप अपने कार्यकाल को बेहतर कैसे करेंगे? पिछले संघ का कार्यकाल छोटा कर दिया गया था, इस पर आपका क्या विचार है?
उत्तर:पिछले फेस्ट के दौरान डीवीएम को प्रोबेशन पर भेजने जैसी कई समस्याएं थी और यह सत्ता की राजनीति का हिस्सा था। जिस तरह से उन्होंने डीवीएम को इसकी सूचना दी वह भी अनुचित था। डीवीएम ने कुछ गलतियां अवश्य की थी, लेकिन उन्हें दूसरा मौका मिलना चाहिए क्योंकि किसी भी फेस्ट का एक बड़ा हिस्सा होता है। सिर्फ निजी स्वार्थ के कारण यह सब हुआ था। इसके बाद बिजली कटौती के लिए विरोध प्रदर्शन हुआ, जिस तरह से इसे अंजाम दिया गया वह बहुत गलत था। इसलिए मैं बदलाव का चेहरा बनना चाहता हूँ और जनता की आवाज़ बनना चाहता हूँ।

प्रश्न 5: आपके घोषणापत्र (Manifesto) के मुख्य बिन्दु क्या है? क्या आपके पास कुछ नए प्रस्ताव है जिसके बारे में पहले ज़्यादा न सोचा गया हो ?
उत्तर:पानी की टंकियों के इन्सुलेशन जैसे मुद्दों पर पहले चर्चा की गई है, लेकिन इस बार प्रशासन इस पर काम करने के लिए बहुत उत्सुक है। एस०यु० ऐप पर नई सुविधाएँ, बेहतर यूजर इंटरफेस, कारपूलिंग प्रक्रिया के लिए एसयू उसका विस्तार। लूटर्स, टॉट और फ़ूड मिनिस्ट्री के समय में भी विस्तार होना चाहिए। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि छात्रावास के क्लोक रूम को व्यवस्थित किया जाए |

प्रश्न 6: बिट्स की बढती फीस को देखकर बहुत सारे काबिल विद्यार्थियों का यहाँ पढ़ने का सपना मात्र एक सपना रह जाता है , इस से कॉलेज को भी बहुत नुकसान होने की आशंका है, इस बारे में आपके क्या विचार है और यदि आप निर्वाचित होते है तो आप क्या कदम उठा सकते है ?
उत्तर:जैसे ही मैं सत्ता में आता हूं, मैं कम से कम प्रशासन को सुविधाएं प्रदान करने के लिए कहने की कोशिश करूंगा ताकि हम यह भी देख सकें कि फीस का एक बड़ा हिस्सा कहां जा रहा है।

प्रश्न 7: आपके हिसाब से आपकी सबसे बड़ी कमजोरी क्या है ?
उत्तर:लोग मुझ पर आरोप लगा रहे हैं कि मैं काम करना नहीं जानता, मैं DASA से हूं, मैं नेपाल से हूं, मेरी सी०जी० कम है लेकिन मुझे लगता है कि कैंपस में मेरी प्रतिबद्धताएं उन्हें गलत साबित करेंगी। मुझे नहीं लगता कि यह निर्णय लेने के मानदंड है। जो भी ऐसा कर रहा है वह व्यवस्था को बदनाम कर रहा है।

अध्यक्ष पद के उम्मीदवार यशवर्धन किस्वानी से साक्षात्कार

हिंदी प्रेस क्लब ने अध्यक्ष पद के उम्मीदवार यशवर्धन प्रकाश किशवनी से चुनाव के बारे में बात की। उनसे साक्षात्कार के दौरान, संविधान में हुए संशोधनऔर चुनाव के अनुभव के बारे में जानकारी प्राप्त की।

प्रश्न 1: आपने अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने का फैसला कैसे किया?आपको कौनसी विशिष्ट विशेषताएं पसंद आई?
उत्तर: मैं पिछले एक वर्ष से स्टूडेंट यूनियन एक्सीक्यूटिव समिति का हिस्सा था। यह समिति अध्यक्ष और महासचिव के मार्गदर्शन में काम करती है। समिति का मुख्य उद्देश्य नई पहलों को लागू करना है। सदस्य होने के नाते मैंने कई नए मुद्दों पर काम किया जैसे ANC, LOOTERS, VENDIMAN, LAUNDROMAT और SU Cab Service। मैंने कई बार GBM की समस्याओं को हल करने के हेतु काम किया है। इस दौरान मुझे काफ़ी कुछ सीखने का मौका मिला। इन अनुभवों ने मुझे अध्यक्ष पद के चुनाव लड़ने हेतु प्रेरित किया।

प्रश्न 2:आपने महासचिव पद के लिए चुनाव लड़ना क्यों नहीं उचित समझा? महासचिव और अध्यक्ष पद के ज़िम्मेदारियों में क्या अंतर होता है?
उत्तर: महासचिव पद के लिए चुनाव न लड़ने की कोई खास वजह नहीं है। मैंने अध्यक्ष के मार्गदर्शन में कई सारे मुद्दों पर काम किया है। इस कारण मैं अध्यक्ष पद की ज़िम्मेदारियों से अवगत हूँ और अध्यक्ष की ज़िम्मेदारी मिलने पर मैं इन्हें बेहतर तरीके से निभाना चाहूँगा। व्यकितगत रूप से मुझे फेस्ट काफी पसंद है। फेस्ट के नियंत्रण की जिम्मेदारी अध्यक्ष की होती है। यह भी एक कारण है कि मैं अध्यक्ष पद की ज़िम्मेदारी लेने के लिए काफ़ी उत्सुक हूँ। मुझे भरोसा है कि मैं अध्यक्ष पद के लिए अनुभवी और योग्य हूँ।

प्रश्न 3:कोविड महमारी के कारण बिट्सियन ऑफलाइन फेस्ट के अनुभवों से वंचित रहे। इस वर्ष कैम्पस पर ऑफलाइन फेस्ट का आयोजन होने जा रहा है। अध्यक्ष के रूप में चयनित होने पर आप फेस्ट के लिए क्या कदम उठाना चाहेंगे?
उत्तर: कोविड के उपरांत, APOGEE कैम्पस का पहला ऑफलाइन फेस्ट था। यह फेस्ट बिट्स में सभी लोगों को काफी पसंद आया। हमारा आगामी फेस्ट OASIS है। OASIS हमेशा से ही आकर्षक फेस्ट रहा है। यह हमारा 50वाँ OASIS है और इस नज़रिये से फेस्ट शानदार होना चाहिए। भावी अध्यक्ष के रूप में, मैं फेस्ट के लिए कैम्पस पर कई तरह के बदलावों के बारे में सोच रहा हूँ। यह बदलाव सौंदर्यीकरण और तकनीक से जुड़े हुए हैं। जैसे साउथ पार्क का नवीकरण, क्लब और डिपार्टमेंट के बीच सुचारू संपर्क स्थापित करना। इसके लिए मैंने BITS COMMUNITY APP के निर्माण के बारे में भी सोचा है। इसपर क्लब और डिपार्टमेंट के आने वाले आगामी कार्यक्रम और उनके कार्यों की जानकारी होगी। इससे छात्रों को कैम्पस पर हो रहे हर गतिविधियों का ज्ञान रहेगा। इसके अलावा फेस्ट में आने वाली अवंछित विलम्ब को कम किया जा सकता है।

प्रश्न4:अध्यक्ष और महासचिव के निलंबित अवधि के दौरान हुई अनिमयाताओं पर आपकी क्या राय है? अगर आपको अध्यक्ष के रूप में मौका दिया जाए, तो आप इसे कैसे हल करेंगे ?
उत्तर: EC ने कई छोटी गलतियों को ध्यान में रखते हुए अध्यक्ष और महासचिव को निलंबित किया। मेरे हिसाब से हर छोटी गलती के बाद सज़ा होनी चाहिए जिससे सामूहिक तौर पर सज़ा देने की ज़रुरत नहीं पड़ती। अपोजी रिव्यू मीट में असंवैधानिक तौर से करवाई गयी परन्तु यह काम करने का व्यक्तिगत तरीका था। मैं व्यक्तिगत तरीकों से काम करने में विश्वास नहीं रखता हूँ। चयनित होने पर मैं ज़िमेदारियों को संवैधानिक रूप से पूरा करूँगा।

प्रश्न 5:पिछले चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए केवल एक उम्मीदवार को देखा गया था,परन्तु इस बार हम उम्मीदवार के संख्यों में बदलाव देख सकते हैं। आप इस बदलाव को किस प्रकार देख सकते हैं?

उत्तर: पिछले चुनाव में अध्यक्ष और महासचिव पद के लिए एक उम्मीदवार देखा गया था। ग्रे अवधी के शुरूआती समय में अध्यक्ष पद के लिए तीन उम्मीदवार थे और महासचिव पद के लिए एक। बाद में इन अंकों में बदलाव हुए। आखिरी में अध्यक्ष के लिए दो उम्मीदवार रह गए और महासचिव के लिए चार उम्मीदवार हो गए। मुझे अध्यक्ष के लिए उम्मीदवारों की संख्याओं को लेकर कोई परेशानी नहीं दिख रही है। हाँ, महासचिव पद के उम्मीदवारों की संख्याएँ चिंताजनक है। महासचिव या अध्यक्ष का पद उत्तरदायित्व से पूर्ण है। मेरे अनुसार इसके लिए आपको ज़िम्मेदारियों का ज्ञान होना चाहिए और काम का भी अनुभव होना चाहिए। यह अनुभव सिर्फ़ SU के काम का ही नहीं, बल्कि कुल मिलाकर कैम्पस के बारे में होना चाहिए। मेरे हिसाब से महासचिव के उम्मीदवार में अनुभव की कमी है और दो ही उमीदवार महसचिव पद के लिए उपयुक्त हैं।

प्रश्न 6: संविधान में संसोधन, चुनाव से कुछ दिन पहले किये गए। इस पर आपकी क्या राय है?

उत्तर: पहले कोई भी निर्णय में सिर्फ़ अध्यक्ष की भूमिका होती थी। इसे संशोधित करने के लिय प्रस्तावना रखी गयी है कि किसी भी निर्णय में अध्यक्ष के अलावा, EC और CRC की भी भूमिका होगी। मैं मानता हूँ कि यह प्रस्तावना सटीक है क्यूंकि इससे गलत निर्णय लेने की संभावना कम होगी। कई लोगों का मानना है कि इस बदलाव की वजह से सिर्फ़ EC और CRC निर्णय लेने में अहम भूमिका निभाएगें परन्तु ऐसा नहीं है। इस वजह से अध्यक्ष और EC सहमति से एक सटीक निर्णय ले पाएंगे और GBM के लिए काम कर पाएंगे।

प्रश्न 7: क्या इस साल चुनाव की प्रक्रिया में पहले के तुलना में कोई बदलाव किया गया है?

उत्तर: चुनाव के प्रक्रिया में पूरी तरह से बदलाव है। कोविड की वजह से पिछले साल चुनाव की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन थी। इस बार यह प्रक्रिया ऑफलाइन है। सारे नियम काफ़ी हद तक पहले के समान हैं। हाँ ,इस वर्ष हमें ऑनलाइन प्रचार करने की अनुमति है। इसमें हम व्हाट्स ऐप पर ग्रुप के जरिये संदेश भेज सकते हैं परन्तु मेसेज सिर्फ़ उम्मीदवार(एडमिन) ही भेज सकता है। इसके अलावा इस ग्रुप में EC की भूमिका, एडमिन की होगी।

प्रश्न 8: अध्यक्ष की ज़िम्मेदारी मिलने के बाद आपके लिए सबसे बड़ी चुनौती क्या होगी?

उत्तर: अध्यक्ष की ज़िम्मेदारी मिलने पर मैं बुनियादी समस्याओं पर ध्यान देना चाहता हूं। कैम्पस पर बिजली और पानी की समस्या हमेशा से ही रही है। हॉस्टल फीस में इज़ाफा हुआ है परंतु हॉस्टल के सौंदर्यकरण में कोई खास परिवर्तन नही हुआ है। मैं इन सभी को चुनौती मानता हूँ। हम बुनियादी समस्याओं को नजरंदाज नहीं कर सकते हैं क्यूंकि यह प्रत्येक GBM के सदस्य से जुड़ा हुआ है। कैम्पस पर जीवन की गुणवत्ता को सुधारना मेरा लक्ष्य रहेगा। इसके साथ ही कई तरह के महत्वाकांक्षी परियोजना के बारे में विचार कर रहा हूँ। मैं महसूस करता हूँ कि अध्यक्ष की यह ज़िम्मेदारी होती है कि कैम्पस के हित के लिए प्रगतिशील विचार लाए। अगर अध्यक्ष ज़्यादा काम होने के भय से नए विचारों को बढ़ा नहीं पाता है, तो इसमें कैम्पस का नुकसान है।

प्रश्न 9: अध्यक्ष के रूप में चुने जाने के बाद आप कोई नई पहल करना चाहेंगे? क्या अभी भी कुछ ऐसा है जिसे सुधारने या लागू करने की आवश्यकता है?

उत्तर:पूर्व अध्यक्ष के द्वारा लिए गए पहल प्रशंसनीय है। अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी होने पर मैं इन्हें एक नया रुप देना चाहूँगा और नए पहलों को लागू करना चाहूँगा, जैसे की-इ स्कूटर ,बिट्स कम्युनिटी एप, हेलथी फ़ूड इट्री और S9 प्रिंटिंग वेबसाइट।

प्रश्न 10: आपके अनुसार कैम्पस में प्रेस की भूमिका का क्या महत्व है?

उत्तर: प्रेस की भूमिका कैम्पस पर काफी प्रशंसनीय है। लोग प्रेस के ज़रिये कैम्पस पर हो रहे हर गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं। मैं चाहता हूँ की प्रेस इसी तरह से अपने काम को बरकरार रखे।

अध्यक्ष पद के उम्मीदवार आशीर्वाद करांडे से साक्षात्कार

प्रश्न 1: आपके अनुसार आपकी कमजोरियां क्या हैं और आप उन पर कैसे काम करने की योजना बना रहे हैं?
उत्तर: मैं अभी किसी विशेष कमजोरी के बारे में नहीं सोच सकता, लेकिन जो भी हो, मैं उसमें सुधार करने के लिए काम करूंगा।

प्रश्न 2: वित्त और सूची के लिए STUccans के रूप में, आपको किसी भी ओएसिस को न देखने का सबसे बड़ा नुकसान होगा। आप कैसे सुनिश्चित करते हैं कि यह 50वें ओएसिस के पैमाने और सफलता को प्रभावित नहीं करता है?
उत्तर: यह सच है कि हमने कोई ओएसिस नहीं देखा है, लेकिन हमारे पास वरिष्ठ बैच के अन्य 6 STUCCans होंगे और इसके अलावा हम सभी जानते हैं कि पिछला APOGEE कितना सफ़ल था। बिट्स के सभी छात्रों में किसी भी परिस्थिति के अनुकूल होने की क्षमता है और हम कामयाब होंगे।

प्रश्न 3:आपके विचार में परिसर में एक प्रेस क्लब की क्या भूमिका होती है?
उत्तर: जैसा कि मैंने कहा, छात्र संघ जवाबदेही और पारदर्शिता के लिए खड़ा है, प्रेस क्लब GBM को इसका प्रचार करने का माध्यम है। वे निर्वाचित प्रतिनिधियों पर नज़र रखने में भी मदद करते हैं। वे उन गंभीर मुद्दों को GBM के सामने प्रस्तुत करते है जो छात्रों और प्रशासन को बाधित कर सकते हैं।

प्रश्न 4:आप एक ही कथन में स्वयं का वर्णन कैसे करेंगे?
उत्तर: मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो प्रतीत होने वाली जटिल समस्याओं के सरल समाधान खोजने में खुशी पाता हूं।

प्रश्न 5:एक संदेश जो आप चुनाव के संदर्भ में बिट्स के लोगों को देना चाहेंगे।
उत्तर: SU चुनाव हर छात्र के कैंपस जीवन का एक अभिन्न अंग हैं। इसे गंभीर तरीके से लेना चाहिए और इसमें एक अच्छी भागीदारी होनी चाहिए। आपके द्वारा चुने गए प्रतिनिधि आपके फेस्ट, क्लब और विभागों को संभालेंगे, इसलिए अपना निर्णय लेते समय, आपको उनके घोषणा पत्र और एसओपी को ध्यान से पढ़ना चाहिए और एक बुद्धिमान निर्णय लेना चाहिए। आप जिस भी पक्ष के हों वोट जरूर करें।

प्रश्न 6: अध्यक्ष पद के उम्मीदवार के रूप में खड़े होने के लिए आपकी मुख्य प्रेरणा क्या है?

उत्तर: जब मैं कॉलेज आया तो मैंने ज़्यादा-से-ज़्यादा लोगों से बात करने की कोशिश की और इस दौरान कई समस्याओं के बारे में पता चला। मैंने कुछ व्यक्तिगत पहलों के माध्यम से इन समस्याओं का समाधान विकसित किया और मुझे सभी से मिली प्रशंसा के माध्यम से पता चला कि मेरा काम कितना प्रभावशाली हो सकता है। इससे मुझे इन चीजों पर काम करने की प्रेरणा मिली और मैं SU कार्यकारी समिति में शामिल हो गया और कई पहल पूरे किए। अगर मैं ज़िम्मेदारी की स्थिति में हूं, तो मैं अधिक प्रभाव के साथ और पहल कर सकता हूं।

प्रश्न 7:आपके मुख्य घोषणा पत्र बिंदु क्या हैं और वे परिसर में मौजूदा समस्याओं को कैसे हल करते हैं?

उत्तर: यदि आप पिछले वर्षों के साथ मेरे घोषणा पत्र की तुलना करते हैं, तो मेरा ध्यान मूलभूत समस्याओं को पूरा करने पर अधिक है, उदाहरण के लिए, डीजी बिजली आपूर्ति, खाद्य गुणवत्ता जांच, जवाबदेह शिकायत प्रणाली और अन्य पहल।

प्रश्न 8:पानी की टंकी के इन्सुलेशन की समस्या, जिसका छात्रों को बड़े पैमाने पर सामना करना पड़ता है, उसके लिए आपकी कार्य योजना क्या होगी?

उत्तर: लोगों ने गांधी भवन के वार्डन से पानी की टंकी के इन्सुलेशन की व्यवहार्यता के बारे में चर्चा की है। हमने सिफारिशें भेजीं हैं और मुख्य वार्डन के साथ चर्चा के बाद बड़े पैमाने पर उपाय किए जा सकते हैं।

प्रश्न 9:छात्र संघ के संविधान में हाल के परिवर्तनों पर आपकी क्या राय है?

उत्तर: कुछ परिवर्तन अत्यंत आवश्यक थे जैसे जांच का अधिकार जो SU के कामकाज को और अधिक पारदर्शी बना देगा। यह GBM को भी अधिकार देता है और ऐसे कई संवैधानिक मसौदे का समान प्रभाव होगा। मुझे लगता है कि उन्होंने संभावित SU उम्मीदवारों के लिए एक निर्देश जोड़ा है। चुनाव आयोग ने एक उम्मीदवार के सिद्धांतों को परिभाषित करने की कोशिश की है जो मुझे लगता है कि काफ़ी उपयोगी है।

प्रश्न 10:चुनाव आयोग द्वारा बताए गए असंवैधानिक कार्यों के लिए पिछले अध्यक्ष और महासचिव को उनके पदों से हटा दिया गया था। आप कैसे सुनिश्चित करते हैं कि जब आप पद पर हों तो ऐसा न हो?

उत्तर: सरल शब्दों में, मैं संविधान का पालन करूंगा और GBM ने मुझ पर जो विश्वास किया है उसका सम्मान करूंगा तथा किसी भी असंवैधानिक गतिविधि में भाग नहीं लूंगा।

प्रश्न 11:आपकी राय में ऐसे कौन से कारक हैं जो आपको चुनाव लड़ने वाले अन्य उम्मीदवार से अलग करते हैं?

उत्तर: पहले से ही 15 से अधिक पहलों के साथ,मेरी कार्य नैतिकता और SU के प्रति मेरी प्रतिबद्धता काफ़ी हद तक स्थापित हो गई है। इसके अलावा, मेरे घोषणापत्र में उन सबसे बुनियादी और महत्वपूर्ण समस्याओं को शामिल किया गया है, जिनका छात्रों को कैंपस में सामना करना पड़ता है।

H-Rep से साक्षात्कार

उद्भव अवस्थी (बुद्ध)

छात्रवास प्रतिनिधि के पद के लिए चुनाव लड़ने का मेरा एकमात्र उद्देश्य छात्रों के छात्रवास जीवन के अनुभव को यादगार और आरामदायक बनाना है। बिट्स में चयनित होने के बाद से ही मैं अपने साथियों के लिए एक बेहतर और अधिक समृद्ध परिसर जीवन सुनिश्चित करने के प्रयास में छात्रसंघ के कामकाज में शामिल रहा हूँ। इसी प्रयास में मैं कई छात्र पहलों को चलाने तथा अक्सर छात्रों और बिट्स प्रशासन के बीच संचार के एक स्रोत के रूप में कार्य करने के लिए जिम्मेदार रहा हूँ। दिन के समय ठंडा पानी सुनिश्चित करने के लिए पानी की टंकियों पर कवर लगाना। लॉन्ड्रोमैट बस्तों के लिए एक अलग शेल्फ की स्थापना करना ताकि पशुओं से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। सभी छात्रवासों और अधिक संख्या में खेलों को शामिल करके इंट्रा-हॉस्टल खेल गतिविधियों के पैमाने को बढ़ाना, वॉशरूम सुविधा में सुधार, कपड़े टांगने के लिए प्रत्येक बाथरूम स्टॉल में अधिक हुक लगाना, नियमित स्वच्छता सुनिश्चित करना और दैनिक रखरखाव जांच आदि पहलुओं पर काम करना चाहूंगा। भोजन पर छूट- हमने अन्नपूर्णा, कमल, विजय सहित कुछ रेस्तरां के साथ संचार किया है। यदि आपका देय बिल विजय में ₹1000 तथा अन्नपूर्णा या कमल में ₹1200 को पार करता है तो वे बुद्ध भवन वासियों को भोजन पर 10% छूट प्रदान करने के लिए सहमत हुए हैं। मैनेजमेंट में मेरा व्यावहारिक अनुभव मुझे अन्य उम्मीदवारों से आगे निकलने का मौका देता है। बिट्स में मेरे छात्रहित के लिए पूर्व कार्यों और अनुभव के पैमाने से पता चलता है कि मेरे पास एक छात्र प्रतिनिधि बनने की क्षमता है। हाल ही में हुई ट्रंक सेवा के लिए प्रथम वर्ष के छात्रों को कुल 700+ ट्रंक का वितरण करना, NAC(नया शैक्षणिक कैलेंडर) के छात्रों की व्यापक परीक्षा के दौरान पुस्तकालय के समय का विस्तार आदि मेरे प्रयास रहे हैं। मैं चाहता हूं कि आप सभी छात्र संघ के कामकाज में एक बेहतर तथा इस काम से जुड़े अनुभवी व्यक्ति को मत दें जो अपने CV में सिर्फ एक POR जोड़ने के बजाय आपकी समस्याओं को समय देने में सक्षम हो।

नकुल कुमार सिंह(विश्वकर्मा)

मुख्य प्रेरणा क्या है जिसने आपको इस पद के लिए अपनी उम्मीदवारी रखने में मदद की?
अपने तीसरे वर्ष में पहले से ही वीके में एक सेमेस्टर के लिए रहने के बाद, मेरा छात्रवास के साथ व्यक्तिगत संबंध है। चूंकि, मैं वीके में और 2 सेमेस्टर के लिए रहूंगा, मुझे विश्वास है कि मैं छात्रवास में कुछ चीजों में सुधार कर सकता हूं जिससे यहाँ के निवासियों का जीवन बहुत आसान हो जाएगा।
वीके में रहने वाले सदस्यों की संख्या को ध्यान में रखते हुए, मेरे घोषणापत्र में सबसे महत्वपूर्ण बिंदुओं में से एक वाटर कूलर का रखरखाव है। चूंकि मैं वीके में पिछले सेमेस्टर में भी रहा हूं, इसलिए मैं एक तथ्य के लिए जानता हूं कि कितनी बार वाटर कूलर खराब हो गए थे। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि दोनों वाटर कूलर साल भर अच्छी स्थिति में हों। त्वरित सहायता के लिए प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स: चूंकि मेडसी का समय काफी अनिश्चित है, इसलिए मैं पूरी तरह सुसज्जित प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स बनाए रखने के लिए कार्रवाई करूंगा। शिकायत अनुरोधों को कारगर बनाने के लिए, मैं त्वरित निवारण के लिए विंग प्रतिनिधियों का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाए रखूंगा। अगर जीबीएम सदस्य मुझे वोट देते, तो मैं एक फोन कॉल दूर होता या कोई ऐसा व्यक्ति जिससे वे बात कर सकें या पास होने पर चर्चा कर सकें। हालांकि, मैं निर्विरोध दौड़ रहा हूं, मेरा मानना है कि मेरी उम्मीदवारी उस व्यक्तिगत स्पर्श से उचित है जो मैं छात्रावास के निवासियों को प्रदान कर सकता हूं| मैं जीबीएम से मतदान में भाग लेने का अनुरोध करना चाहता हूं, क्योंकि जीबीएम के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए मतदान महत्वपूर्ण है

रोमिल सेठ(राम)

राम भवन में अपने मित्रों और सहपाठियों को विभिन्न समस्याओं से जूझते हुए देख मैंने यह महसूस किया कि बहुत आवश्यक परिवर्तन लाने के लिए किसी का प्रतिनिधित्व होने और पहल करने की बहुत अधिक आवश्यकता है। मेरे प्रतिद्वंद्वी के घोषणापत्र में साइकिल चोरी जैसे कई खतरनाक मुद्दे नहीं उठाए गए हैं। इसके अलावा मेरे घोषणापत्र में मात्र आकर्षण के उद्देश्य से तड़कती भड़कती बिंदुओं का अभाव है बल्कि इसमें तार्किक बिंदु हैं जिन्हें तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। परिवर्तन लाने का मेरा दृष्टिकोण बहुत ही स्पष्ट है और इसलिए मुझे लगता है कि मैं इस पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार हूं।यह देखकर अच्छा लगा कि मैं अपने छात्रावास का प्रतिनिधित्व के पद के लिए खड़ा होने वाला अकेला नहीं हूं, और कई अन्य छात्र भी छात्रावास के सुधार के लिए काम करना चाहते हैं। सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार की ही जीत हो! GBM सदस्यों के लिए मेरा संदेश यह होगा कि दोनों घोषणा पत्रों को ध्यान से पढ़ें और अपना अमूल्य मत समझदारी से डालें क्योंकि ऐसे चुनावों में हर वोट मायने रखता है। यह उनके अपने छात्रावास के लाभ और भलाई के लिए ही है।

सहज द्विवेदी (शंकर)

अपने पहले वर्षों के दौरान, मुझे ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ा जो कई अन्य निवासियों के लिए आम थीं। इन्हीं समस्याओं ने मुझे अपने साथियों की मदद करने और उन्हें हर तरह से बेहतर छात्रावास का अनुभव देने के लिए प्रेरित किया। अपने लोगों की मदद करने में सक्षम होना छात्रावास प्रतिनिधि के पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए मेरी प्रेरणा का मुख्य स्रोत है कॉफी वेंडिंग मशीन की स्थापना, भवन में ही रिकॉर्डिंग की सीधी पहुंच के साथ साइकिल स्टैंड, न्यूजपेपर स्टैंड, लॉन्ड्रोमैट रैक, इलेक्ट्रिक कीट मारने की मशीन आदि।मुझे लगता है कि मेरा उत्कृष्ट संचार कौशल और कुशल तरीके से दूसरों को समझने की क्षमता मुझे दूसरों पर बढ़त देती है। मेरे अंदर सबसे बड़ी प्रेरणा शक्ति अपने सभी साथियों को एक बेहतर छात्रावास अनुभव देने में सक्षम होने की इच्छा है। ये मुख्य कारण हैं जो मुझे विश्वास दिलाते हैं कि मुझे अपने विरोधियों पर बढ़त है|18 तारीख को मतदान अवश्य करें। कम मतदान से गलत चुनाव नहीं करना चाहिए। हर एक वोट मायने रखता है।

इशान शंकर(राम)

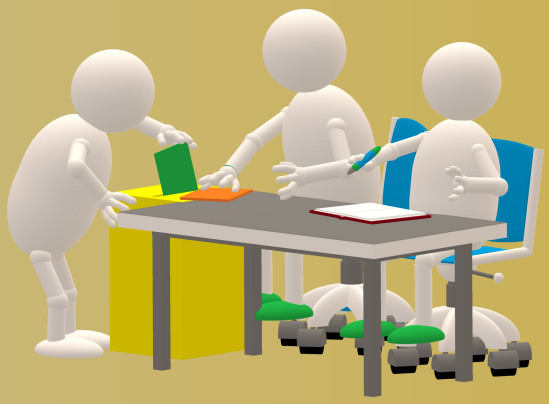

हम सभी जानते हैं कि जब हॉस्टल की प्राथमिकताओं को भरने की बात आती है तो राम भवन हमारी सबसे कम प्राथमिकता थी। राम भवन के निवासियों को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जो अन्य भवन निवासियों को नहीं है। लेकिन इन समस्याओं के नीचे एक सुंदर भवन है, जिसमें साफ-सुथरे बड़े कमरे, सुंदर क्यूटी और बहुत कुछ है। मैं जीबीएम को दिखाना चाहता हूं कि छोटी बुनियादी समस्याओं को कम करके, कोई भी बहुत बड़ा अंतर ला सकता है|मेरे घोषणापत्र में मुख्य बिंदु यह हैं कि मैं राम भवन के हर कमरे में सफेद बोर्ड और दरवाजे के स्टॉपर लगाना चाहता हूं। मैं एक समाचार पैलर स्टैंड की स्थापना, नए खेल उपकरणों के रखरखाव और स्थापना, सभी कमरों में निकास पंखे स्थापित करने, साबुन डिस्पेंसर स्थापित करने और कमरे की सफाई दरों के मानकीकरण के माध्यम से कॉमन रूम सुविधाओं में सुधार करके छात्रावास में रहने की स्थिति में सुधार करने की दिशा में भी काम करूंगा।उन्होंने कहा, 'मैंने अपने घोषणापत्र में उन मुद्दों को उठाया है जो सिर्फ राम भवन के निवासियों को परेशान करते हैं, जो मेरे प्रतिद्वंद्वी ने स्पष्ट रूप से नहीं किया है| मेरे पास आवश्यक अनुभव है, जिसने अपने पिछले भवन में कई पहलों का नेतृत्व किया है, जो मुझे अपने प्रतिद्वंद्वी पर बढ़त देता है।जीबीएम को मेरा संदेश होगा कि वे सभी घोषणापत्रों को पढ़ें, और उनके वोटों के महत्व को समझें और इसका प्रयोग करें। साथ ही जीबीएम को सतर्क रहना चाहिए और उम्मीदवार के घोषणापत्र के हर तथ्य पर सवाल उठाना चाहिए, और यदि आवश्यक हो तो सभी प्रासंगिक सबूत मांगें। इससे जीबीएम को अधिक जानकारी मिलेगी।

ऋषि राज गौतम(शंकर)

मैं इसे अपना कर्तव्य मानता हूं कि मैं अपने साथी छात्रों की समस्याओं को आवाज दूं और सुविधाओं को बेहतर बनाने में मदद करूं हॉस्टल में। मैं एक प्रतिनिधि के रूप में कार्य करूंगा और छात्रों के दृष्टिकोण को प्रशासन तक पहुंचाऊंगा। साबुन डिस्पेंसर की स्थापना और समय पर रिफिलिंग। 48 घंटे के भीतर समस्याओं को हल करने के लिए एक-क्लिक क्यूआर शिकायत प्रणाली।दोपहर के घंटों के दौरान पानी का एक स्थिर तापमान बनाए रखने के लिए, टैंकों को इन्सुलेट किया जाएगा। इंटर्नशिप, कौशल और आकेड्स के बारे में मार्गदर्शन करने के लिए सीनियर्स द्वारा भवन जूनियर्स के लिए 'शंकर फायरसाइड चैट' या समय पर अनौपचारिक कार्यशालाएं।इंटर भवन शंकर-व्यास स्पोर्ट्स लीग। मल्टी-स्टेशनड जिम के साथ नए डंबेल और बारबेल|विंग रेप्स का गठन ,पेस्ट कंट्रोल सुविधाए का सुचारुपन।कॉमन रूम के लिए नेव्स्पपर और मगजिनेस की सुविधा| प्रबंधन में अनुभव पर मेरा हाथ मुझे अन्य उम्मीदवारों पर एक बड़त देता है। मेरी पिछली पहल और अनुभव का पैमाना दिखाता है कि मेरे पास छात्र प्रतिनिधि बनने की क्षमता है:1. मुद्दों की कुशल रिपोर्टिंग और समाधान के लिए एसआर भवन के सभी सामान्य शौचालयों में क्यूआर शिकायत प्रणाली की स्थापना।2. एसआर कॉमन रूम में फूसबॉल टेबल एंड कॉफी मशीन की स्थापना के दौरान रसद के साथ मदद करना।3. शंकर भवन के निवासियों के लिए फर्स्ट रूम क्लीनिंग सर्विस मुफ्त करवाना।मेरी जीबीएम से यही गुजारिश है की कृपया मतदान से पहले सभी उम्मीदवारों के घोषणापत्रों को पढ़ें क्योंकि इससे आप सभी को एक बेहतर और सूचित निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

ऋषि कंडोईया(व्यास)

रिसर में रेडिस और अन्य सामाजिककरण बिंदुओं पर कई यात्राओं पर और सावधानी पूर्वकऔर गहन अवलोकन, मै मैंने पाया कि मेरे साथी कुछ बुनियादी मुद्दों से पीड़ित हैं जोइस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। उसी स्थिति में खुद की कल्पना करते हुए, मैं विरोध नहीं कर सकापरिवर्तन का कारण बनने का अवसर प्राप्त करना चाहता हू।"निम्नलिखित चिंताएं जिनके बारे में मुझे पता चला, और छात्रावास के लिए भी यही सच है:बेकाबू कीट वृद्धि खराब स्वच्छता अंतर-बैच और इंट्रा-बैच के सामाजिककरण में परेशानी बड़े पैमाने पर साइकिल चोरी पानी से संबंधित समस्याएं|"कार्रवाई करना सकारात्मक बदलाव की कुंजी है।नेतृत्व दृष्टि को वास्तविकता में अनुवाद करने की क्षमता है।ये दो सिद्धांत हैं जिनका मैं हमेशा पालन करता हूं, और मैं अपने भवन में छात्र समुदाय के लाभ के लिए अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन करके उसी भावना को विकसित करना चाहता हूं।

नवदीप सोरलान(गाँधी)

लगभग एक वर्ष तक छात्रावास में रहने के बाद, मैंने उन प्रमुख मुद्दों की पहचान की है जिन पर तत्काल ध्यान देने के साथ ही संभावित तथा साध्य समाधानों की आवश्यकता है। मुझे विश्वास है कि इस अवसर के साथ मैं अपने आसपास के सभी लोगों की का जीवन बेहतर बनाने के लिए इन समस्याओं पर काम कर सकता हूं।
मेरे घोषणा पत्र के निम्न बिन्दु है: कुछ और मशीनों के साथ कॉमन रूम जिम मशीनों का नियमित रखरखाव, सफाईकर्मियों की नियमितता पर थोड़ी और नज़र रखते हुए वॉशरूम की साप्ताहिक साफ़-सफाई की संख्या में वृद्धि, धुंआ के छिड़काव की प्रक्रिया में थोड़ी अधिक नियमितता, कुछ कमरों में बुक शेल्फ की स्थापना, जो छूट गए थे, बाथरूम के दरवाजे पर अधिक हुक की स्थापना और पानी की टंकियों पर हीट इंसुलेशन शीट लगाना।
सीनियर, वार्डन और चीफ़ वॉर्डन के साथ मेरी कई बातचीत हुई है, और मुझे विश्वास है कि मैंने इस पद के लिए आवश्यक सूचनाएँ एकत्र की है।मेरी GBM से यही दरख्वास्त है कि सभी उम्मीदवारों के घोषणापत्र को पढ़कर और उनके साथ सवाल ज़वाब करके समझदारी और तार्किक रूप से मतदान करें।

विशेष सूचना:- हिंदी प्रेस क्लब ने हर उमीदवार से संपर्क करने की कोशिश की थी। जिन उमीदवारो से संपर्क नहीं हुआ उनका नाम चुनाव विशेषांक की पत्रिका में नहीं डाला गया है।

एक विशेष अप्पील

एक ज़िम्मेदार पत्रकारिता क्लब होने के नाते हमारी GBM से विशेष अपील है की इस चुनावी माहौल मैं किसी भी असत्यापित जानकारी को ना माने। मतदान देना आपका कर्त्तव्य है, इसलिए यह आवश्यक है कि नेता ऐसा चुने जो इस भारी भरकम कुर्सी का भार संभाल सके। याद रखे, आपको इन नेताओ को यह अवसर नहीं देना की बारी-बारी से इनके चेले भी इस गद्दी पर आराम फरमा सके। आपका परम प्रिय मित्र नोटा आपको नए मौके देने के लिए पूर्ण चुनाव मे आपके साथ खड़ा रहेगा। केवल चुनाव आयोग द्वारा प्रदान की गयी एवं प्रत्यार्शी या उसके कैम्पेनर द्वारा प्रदान की गयी सत्यापित जानकारी को ही सत्य माने। यदि किसी भी सूरत मे आपको लगे कि किसी भी प्रत्याशी या छात्र द्वारा चुनाव से सम्बंधित कोई भी अनुचित कृत्य किया जा रहा हो तो उसकी जानकारी आप चुनाव आयोग को दे सकते है। आपके द्वारा की गयी शिकायत एवं आपका नाम पूर्णत: गोपनीय रखा जायेगा।

माणिक्य, वत्सल, प्रत्युष, मनाल, मोहनीश, मानस

आर्यन, संस्कार, लाम्बा, शाल्मली, हार्दिक

सर्वेश, जैनम, देव, ऋत्विक,आकाश, आरुषी, आर्यमन, सूरज, आर्ची,

निशिका, भव्य, हिमांशी, आदित्य

मौलि, अमृत, मल्लिका, वैभव, सर्वाक्ष, वैष्णवी, चेतन, विदित,

पुलकित, ध्रुव, अनुज, अवि, सार्थ, वंश, अक्षय